

प्रिय (डोश) -

✓ 2 Oct 81

बोलावियों के आखरी किंग । इस बार वही
महासंक्रियत हो गई । (कौ) चित्र तैय्यार
है और एक 92 अक्षरों का कहा है
पौरुष गा रहे हैं । कोपर डेकन प्रदर्शनी
90 तकमल में शुरू होगी । कितना भी
प्रमुख क्यों वही, हर प्रदर्शनी के
पहले अजीब सा तनाव और बेचैनी
होती है । अहसास होता है । कुछ ऐसा
ही लगता है कि अगर कुछ और समय
और मिलता तो अच्छा होता ।

आप कैसे हैं । दिल्ली वाले कैसे हैं ।
कम किताबें चल रही हैं । समय
मिले तो पौरुष के पते पर लिखें ।
आपको, वंदना को । हमारा स्नेह - 67

20

créations
CHOTEL



PARIS

920 C6 4

ENVELOPPES

AUTOCOLLANTES 90 g

प्रिय सचिदा

आपके माफ की प्रदर्शनी के पहले, पत्र लिखा था। ^{आपको} ~~आपका~~ को (लाग) आया अरु पर तब से कोई पत्र नहीं। ^{यही} आह भंगता (काम करने के बाद हम 92 अक्टूबर को पैरिस जा रहे हैं। चित्र हवाई गडगों से Copenhagen भिजाये जायेंगे।) ^{दो हफ्ते 37} होगा ~~हमें दो दिन के लिए~~ डेनमार्क. नो वे ^{हमें} का प्रोग्राम है प्रदर्शनी 10 नवम्बर को शुरू होगी।

आपके, नेपाल के समाचार पत्रा कुशी होगी।

हम दोस्त
थे दो शब्द, स्नेह के साथ -

(ग)

हादस की शहादत से इस और अशांति
मिलने नहीं हम कि और जा रहे हैं। ~~आपकी अनुभव का इतिहास - इतिहास से है~~
अस है, इतनी बहुमुख्य शक्तियों के वावजूद
मानव और इन्सान के फर्क नहीं दिखता

इतिहास हिंसा से आता है / अनुभव गति

इन्सान इन्सान ही बन पाता -

पैरिस, १३ मई १९८९-

प्रिय प्रकारा

जब आज सि लिखा।
तुम्हारा तीसरा ~~पत्र~~। माफ़ करना मैं नहीं लिख सका।
जिन्दगी आसान नहीं है और पुराने ~~समय~~ की ताकत आज
नहीं है ~~और~~ तफ़लीफ़ ^{और} ज्यादा ऐसी ही है कि लिखना या बोलना
नहीं आता, फिर भी दिल ध्या और व्यालातों से भरा है।

~~आज ही तुम्हारा पत्र मिला। कल मैं गया था "म्यूज़े गीमै"।~~
मालूम हुआ कि तुम्हारा रिफ़ाई बन गया है और दो या
तीन हफ़्ते में ही रलीज़ होगा। अगर तुम्हारा आग़ा यहाँ
हो सकेगा तो बड़ी दुश्नी की बात होगी। अशोक भी तो
आ ही रहे हैं।

यह बता सा जब, बहुत लोहे के साथ। अगर आप
सचिदा, लुशेरा भोपाल के सभाचार दे सके तो बड़ी ~~आशी~~
~~पुस्तक~~ होगी। ~~यदि~~ याद आती है। एक दर्द भी तरह हमेशा

मुकुंद को मेरी ~~आद~~ ~~लिखना~~। "नई दुनियाँ के लिये अभी तक कुछ
न लिख सका। समय दे।" गाविन मसरुफ़ हैं, मजे में
हैं। आपका बन्नालो का पर्सि का प्रोग्राम कैसा है।